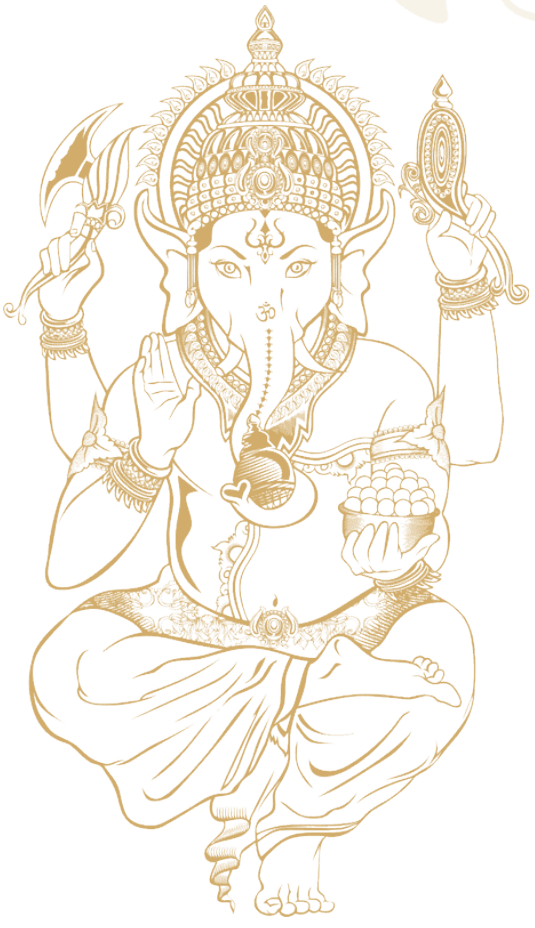

PARJWAL SINGH

AMISHA SINGH

Model: Love-Horoscope

Order No: 121345301

Model: Love-Horoscope

Order No: 121345301 Date: 21/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/04/1998	जन्म तिथि	04/05/2001
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:18:00	जन्म समय	15:58:00 घंटे
घटी 29:39:59	जन्म समय(घटी)	24:31:12 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Rewa
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	24:32:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	81:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:04:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:00	सूर्योदय	05:28:03
18:54:29	सूर्यास्त	18:35:32
23:49:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:15

कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
हस्त	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	4
ध्रुव	योग	हर्षण
वणिज	करण	बालव
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	पी-पिंगला
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 10मा 30दि	18:50:29	कन्या	लग्न	कन्या	15:50:01	सूर्य 0वर्ष 2मा 27दि
राहु	26:37:09	मीन	सूर्य	मेष	20:08:58	राहु
10/03/2014	11:26:45	कन्या	चंद्र	कन्या	09:27:51	01/08/2018
10/03/2032	04:17:25	मेष	मंगल	धनु	04:51:53	31/07/2036
राहु 21/11/2016	19:51:38	मीन व	बुध	वृष	02:40:33	राहु 13/04/2021
गुरु 16/04/2019	21:28:38	कुंभ	गुरु	वृष	20:21:23	गुरु 06/09/2023
शनि 20/02/2022	10:40:32	कुंभ	शुक्र	मीन	11:09:29	शनि 13/07/2026
बुध 09/09/2024	29:08:28	मीन	शनि	वृष	07:47:08	बुध 30/01/2029
केतु 27/09/2025	16:15:12	सिंह व	राहु व	मिथु	13:57:34	केतु 17/02/2030
शुक्र 27/09/2028	16:15:12	कुंभ व	केतु व	धनु	13:57:34	शुक्र 17/02/2033
सूर्य 22/08/2029	18:21:08	मक	हर्ष	कुंभ	00:42:27	सूर्य 12/01/2034
चन्द्र 20/02/2031	08:10:30	मक	नेप	मक	14:53:41	चन्द्र 13/07/2035
मंगल 10/03/2032	13:58:52	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:50:13	मंगल 31/07/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:51 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:15

लग्न-चलित

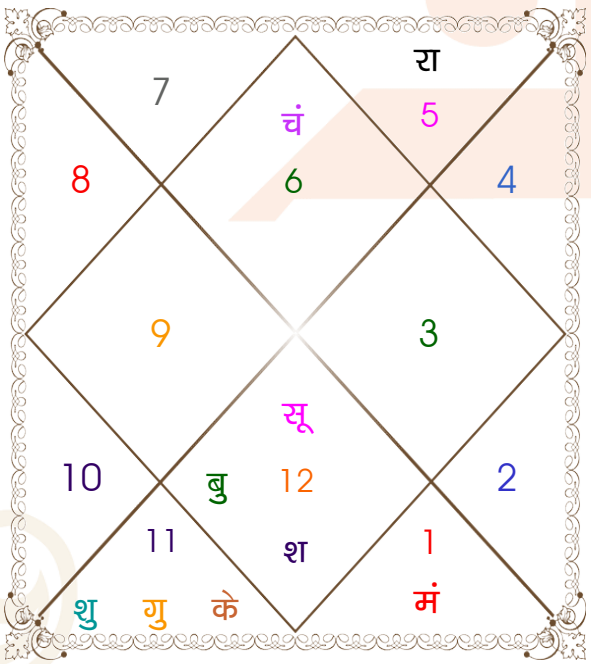

लग्न-चलित

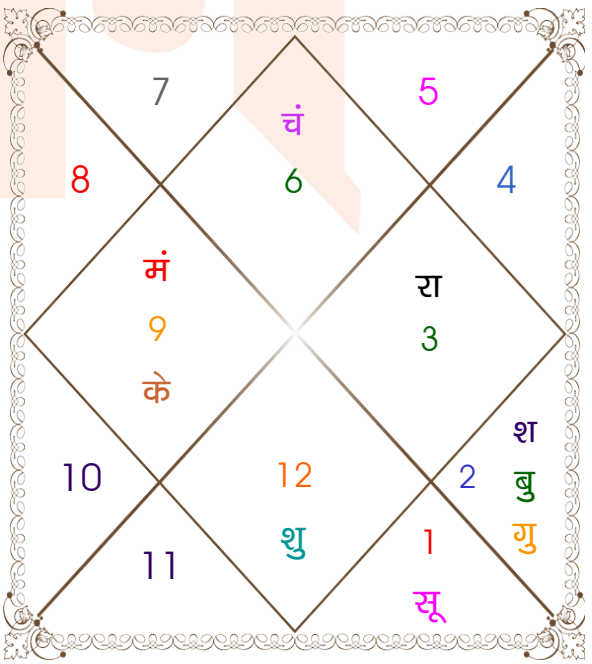

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

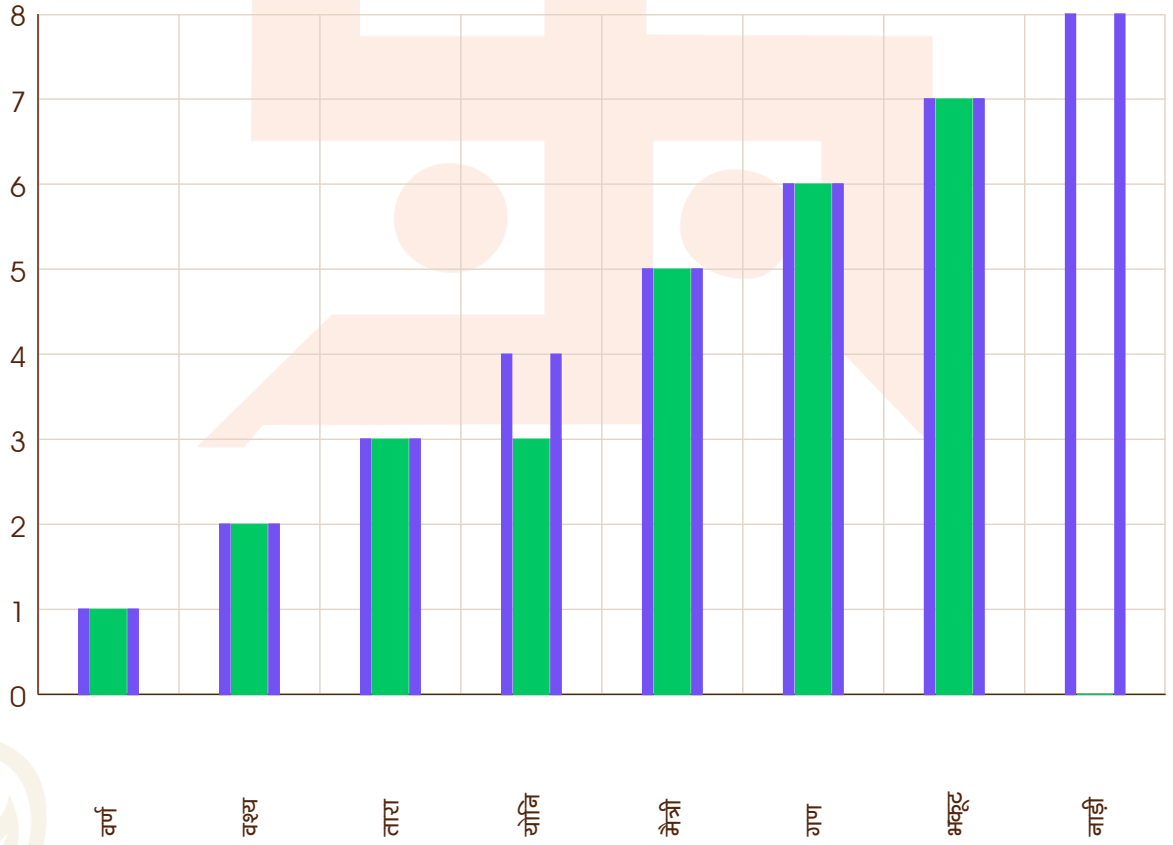

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र भिन्न हैं तथा राशियां एक है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

च।त्श्रॅ।रॅै पछळभ का वर्ग मूषक है तथा ।डैफ।ै पछळभ का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च।त्श्रॅ।रॅै पछळभ और ।डैफ।ै पछळभ का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च।त्श्रॅ।रॅै पछळभ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

।डैफ।ै पछळभ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च।त्श्रॅ।रॅै पछळभ तथा ।डैफ।ै पछळभ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ का वर्ण वैश्य है तथा ाडैप्भ ाै प्छळ॥ का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ और ाडैप्भ ाै प्छळ॥ दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रुपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ और ाडैप्भ ाै प्छळ॥ दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ाडैप्भ ाै प्छळ॥ का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ एवं ाडैप्भ ाै प्छळ॥ दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ की तारा सम्पत तथा ाडैप्भ ाै प्छळ॥ की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ एवं ाडैप्भ ाै प्छळ॥ दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। ाडैप्भ ाै प्छळ॥ एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

चात्श्र्ॅ ास्ै प्छळ॥ की योनि महिष है तथा ाडैप्भ ाै प्छळ॥ की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ एवं ।डैप्भ।ै प्छळभ दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ एवं ।डैप्भ।ै प्छळभ दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ का गण देव तथा ।डैप्भ।ै प्छळभ का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु ।डैप्भ।ै प्छळभ अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ एवं ।डैप्भ।ै प्छळभ दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ एवं ।डैप्भ।ै प्छळभ तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ की नाड़ी आद्य है तथा ।डैप्भ।ै प्छळभ की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। च।त्श्रॅ।ऱ्ै प्छळभ एवं ।डैप्भ।ै प्छळभ दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार

हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त राशि कन्या है। इसके शुभ प्रभाव से च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ के मध्य स्वाभाविक समानता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ दोनों की जन्म राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर मित्रता सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे की सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे दाम्पत्य संबधों में स्नेह की वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करके सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग एवं सहानुभूति प्रदान करने में समर्थ होंगे। इनकी एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी तथा सदगुणों की प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर वैवाहिक जीवन का सुखोपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ दोनों का वश्य मानव है। अतः समान वश्य होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता समान होगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की कार्य क्षमता तथा प्रवृति में समानता होगी तथा धनार्जन संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही वणिक बुद्धि से सांसारिक कार्य कलाप करने में तत्पर होंगे।

धन

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ की तारा सम्पत तथा ।डैप्भ। ैप्छळभ की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा ।डैप्भ। ैप्छळभ के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

च।त्श्रॅ।रु ैप्छळभ और ।डैप्भ। ैप्छळभ को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

विशेष रूप से ।डैभ्।ैप्छळभ् का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् और ।डैभ्।ैप्छळभ् दोनों ही आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। यद्यपि प्रथम दृष्टि में यह नाड़ी दोष बनता है परन्तु इनका जन्म विभिन्न नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः नाड़ी दोष भंग हो जाता है। लेकिन मंगल का इन दोनों के स्वास्थ्य पर प्रभाव रहेगा जिससे च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् और ।डैभ्।ैप्छळभ् दोनों रक्त या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् हृदय संबंधी परेशानी तथा संभोग शक्ति की शिथिलता की अनुभूति करेंगे जबकि ।डैभ्।ैप्छळभ् को स्त्रीजन्य गुप्त एवं धातु रोगों तथा मासिक धर्म संबंधी अनियमिताओं से कष्ट प्राप्त करेंगी। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् और ।डैभ्।ैप्छळभ् का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् और ।डैभ्।ैप्छळभ् के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।डैभ्।ैप्छळभ् के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।डैभ्।ैप्छळभ् को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।डैभ्।ैप्छळभ् को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् और ।डैभ्।ैप्छळभ् सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार च।त्श्रॅ।सैप्छळभ् और ।डैभ्।ैप्छळभ् का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।डैभ्।ैप्छळभ् के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ।डैभ्।ैप्छळभ् धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो

सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ।डैभ्।ै प्छळभ के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ।डैभ्।ै प्छळभ का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ।डैभ्।ै प्छळभ से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

च।त्श्रॅ।रै प्छळभ के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को च।त्श्रॅ।रै प्छळभ अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी च।त्श्रॅ।रै प्छळभ के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण च।त्श्रॅ।रै प्छळभ के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

लग्न फल

PARJWAL SINGH

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

AMISHA SINGH

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्न में हुआ था। जन्मकाल-मेदिनीय क्षितिज वृषभ राशि का नवमांश तथा मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस जन्म के समायोजन की वास्तविकता तो यह दृष्टिगत हो रहा है कि आप अपना दीर्घायु योग से प्रभावित सुखमय जीवन-व्यतीत करेंगी।

आपका जीवन सतत उत्तेजनात्मक प्रवृति से युक्त रहेगा। यदि आप सुव्यवस्थित ढ़ंग से कठिन श्रम के प्रति समर्पित भावना से युक्त होकर तथा दुःसाहसिक प्रवृति को त्याग कर ठोस निर्णयानुसार कार्य सम्पादन करें तो आप सन्तोषजनक लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप प्रायः अपने निर्णय के प्रतिकूल आकस्मिक रूप से नयी नीति के प्रति अन्वेषनात्मक परिवर्त्तनीय आचरण अपना लेती हैं। अस्तु आपको इस प्रकार की स्पन्दित प्रवृति को त्यागना पड़ेगा।

आप उच्चकोटि की महत्वकांक्षी है तथा आप अत्यधिक धन संचय करना चाहती हैं। आपको अपने कार्य सम्पादन की नीति को अपनी आवश्यकता के अनुरूप फैलाना एक वास्तविक प्रक्रिया हो सकती है। आप निश्चयपूर्वक एक साहसी एवं उद्यमी हैं। आप अपनी योजना को पूर्ण रूपेण सफलीभूत करेंगी। अर्थात् आपको आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छे लाभांश की प्राप्ति होगी।

आप स्वाभाविक रूप से एक वणिक प्रवृति की महिला हैं। आप व्यवसायिक वातावरण में अपना धन निवेश हेतु प्रवृत होंगे। परन्तु आप सतर्कता पूर्वक निवेश के लिए धन का लाभांश क्षीण या आंशिक रूप में प्राप्त न हो। यह विचार कर अपना कदम बढ़ाएंगी। इसलिए आपको लेखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य जैसा पदभार ग्रहण करने के लिए प्रस्तुत

होना चहिए। सर्वथा सम्पादन कारिता, अध्यापन कार्य, परीक्षक कार्य आदि से सम्बन्धित कार्य आपके लिए स्वाभाविक है।

आप लोगों के कार्यकलाप क्या ठीक करते है अथवा क्या गलत करते है की आलोचना करेंगी। आप पूर्ण शिक्षित एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी हैं। आप उनकी त्रुटिपूर्ण आचरण के प्रति तर्कता पूर्वक स्थित रह कर उनकी दुर्बलता का ध्यान रखेंगी।

आप नकारात्मक विशेषताओं का शुद्धिकरण करेंगी। परिणाम-स्वरूप आपके कुछ मित्रों में से अधिकांश व्यक्ति आपके शत्रु बन जाएंगे तथा आपके व्यवहार से असन्तुष्ट होकर, आपको जन सामान्य की दृष्टि में बेनकाब कर न्यायालय तक ले जा सकते है। अतः आप अन्य लोगों की अति आलोचना नहीं करे। अर्थात् दूसरों के लिए दुष्कर वातावरण का निर्माण नहीं करे। आप सर्वथा अपने मित्रों एवं अधिनस्थ कर्मचारियों का उपयुक्त चयन किया करें ताकि वे आपके लिए हितकर हों।

आप धार्मिक-ग्रन्थों का अध्ययन कर जीवन का यथेष्ठ अनुभव प्राप्त करेंगी। परन्तु आप अपनी शिक्षा का अभ्यास असंभावित रूप से नहीं कर सकेंगी। आप अनेकों वासनात्मक मित्रों के साथ संगठित होकर आनन्द प्राप्त करना चाहेंगी। आप इस प्रकार के अध्यवसाय से प्रतिकूल आचरण करें अन्यथा आपका मधुर पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हों सकता है। आपका अच्छे व्यवहार तथा स्नेह प्रदान करने वाले पति एवं अच्छी सन्तान होंगी जो अच्छी प्रकार से आपका जीवन व्यतीत करेंगी।

आपके जीवन का महत्वपूर्ण अंश आपका हृष्ट पुष्ट शरीर एवं प्रसन्नतम जीवन होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य सम्बन्धी यथा पाचन क्रिया एवं नसों की दिक्कतों से संबंधित रोगों के प्रति भली प्रकार सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि ये अति संवेदनशील बाते हैं। अन्यथा आप दस्त सम्बंधी रोग, टायफाईड अथवा स्नायविक घबराहट जैसे रोग के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। अस्तु आपकों चिकित्सक की राय ग्रहण करना चाहिए तथा दूषित खाद्य पदार्थो को त्यागकर शाकाहार को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं अंक 1 एवं 8 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट एवं अनुकूल रंग सफेद, पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला, एवं नीला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

अंक ज्योतिष फल

PARJWAL SINGH

आपका जन्म दिनांक दस है। एक एवं शून्य का जोड़ एक होता है जोकि अंक ज्योतिषानुसार आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य और शून्य को ब्रह्म या शिव माना गया है। इनके प्रभाववश आप अपने क्षेत्र में एक प्रभावशील व्यक्ति होंगे। सूर्य जिस तरह से प्रकाशित एवं अस्त होता है वैसे ही आपके जीवन में काफी ऐसे अवसर आयेंगे जिनमें आपको सफलताऐं प्राप्त होंगी। कभी-कभी अस्त सूर्य के समान असफलता का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन आप असफलता से पीछे नहीं हटेंगे। कुछ दिन शिव की तरह शांत रहकर पुनः सफलता अर्जित करेंगे। संघर्ष, साहस, धैर्य एवं उच्च महत्वाकांक्षायें आप में अधिक रहेंगी।

आप स्थिरवादी, दृढ़ निश्चयी, वचनशील व्यक्ति रहेंगे। इन गुणों, वश मेहनत एवं ईमानदारी से सफलता अर्जित करेंगे। संघर्षों से पीछे नहीं हटेंगे। समाज में नाम तथा यश प्राप्त करेंगे। आप परोपकारवादी, बहुतों के पोषक बनेंगे। आर्थिक स्थिति आपकी मध्य अवस्था में काफी ठीक रहेगी। समाज में आपका अच्छा नाम होगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की रहेगी। इससे आपको पराधीन रहकर कार्य करना अच्छा नहीं लगेगा। आप किसी के आधीन कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करने पर अपनी प्रतिभा का उपयोग अधिक करेंगे। आप अपने कार्य करने के ढंग में स्वतंत्रता, निष्पक्षता, अधिक पसन्द करेंगे।

AMISHA SINGH

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगीं जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेंगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी।

लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अन्नविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

PARJWAL SINGH

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

AMISHA SINGH

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।